U-402
B.A. I Year
OPEN BOOK EXAMINATION
SEPTEMBER पूरक परीक्षा 2021
PRACHEEN EVAM MADHYAKALEEN KAVYA PAPER I
Maximum Marks - 40
Minimum Pass Marks - 33%

नोट – सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख दर्शाये गये हैं।

इकाई – 1

निर्देश – निम्नांकित में से किन्हीं दो पद्यांशें की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये। 04+04 = 08

(क) हिरदा भीतर दौ बलै, धूंवान प्रगट होइ।
जाकै लागो सो लसै, कै जिहि लाई सोई।।
समंदर लागी आग , नदिया जलि कोइला भई।
देखि कबीरा जागि, मंघ रूखा चढ़ि गई।।

अथवा

अवधेश के द्वारें सकारे गई।
सुत गोद के भूपति लै निकसे।।
अवलोकि हौं सोच बिमोचन को ठगिरही।
जे न ठगे धिक से।।
तुलसी मन रंजन रंजित अंजन।
नैन सुखंजन जातक – से।।
सजनी ससि में समसील उभै।
नवनील सरांरूह – से विकास।।

(ख) कहत नटत रीझत खिझत।
मिलत खिलत लजियात।।
भरे भौन में करत हैं।
नैनन हीं सब बात।।
नहिं पराग नहिं मधुर मधु।
नहिं विकासुइहि काला।।
अली कली ही सौं बिंध्यौ।

आगे कौन हवाल।।

अथवा

सजि चतुरंग बीर रंग में तुरंत चढ़ि।
सरजा श्विाजी जंग जीतन चलत हैं।।
भूषन भनत नाद सिहद नगारन के।
नदी – नद मद गब्बरन के रलत हैं।।
ऐल–फैल खै–भैल खलक में गौल – गौल।
गजन की ठेल–पेल सैल उकसत हैं।।
तारा सोतरनि धूरि धारा में लगत जिमि।
थारा पर पारा पाराबार यों हलत है।।

इकाई – 2

2. रीतिकाल की सामाजिक, राजनैतिक और साहित्यिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिये। 08

अथवा

भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्ग युग क्यों कहते हैं। विस्तार से समझाइये।

इकाई – 3

तुलसी के समन्वयवाद पर एक लेख लिखिये। 08

अथवा

"सूर वात्सल्य का कोना कोना झाँक आये हैं"। इस कथन की समीक्षा कीजिये।

इकाई – 4

सिद्ध करो कि बिहारी ने गागर में सागर भर दिया है। 08

अथवा

भूषण का काव्य राष्ट्रीयता से ओत प्रोत है। इस उक्ति की व्याख्या कीजिये।

इकाई – 5

निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये – 04+04 = 08

1. अमीर खुसरो का जीवन परिचय।
2. मीरा की भक्ति भावना।
3. पद्माकर का प्रकृति वर्णन।
4. रसखान की प्रेमादुभूति।

U-403
B.A. I Year SUPPLE
OPEN BOOK 2020-21
HINDI LITERATURE - PAPER II
HINDI KATHA SAHITYA
Maximum Marks - 40
Minimum Pass Marks - 33%

नोट – सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

निर्देश – निम्नांकित में से किन्हीं दो गद्यांशें की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये। 10

(क) "स्त्री पुरूष से उतनी ही श्रेष्ठ है, जितना प्रकाश अंधेरे से। मनुष्य के लिए क्षमा, त्याग और अहिंसा जीवन के उच्चतम आदर्श हैं, नारी इसी आदर्श को प्राप्त कर चुकी है। पुरूष धर्म और अध्यात्म और ऋषियों का आश्रय लेकर उस लक्ष्य पर पहुंचने के लिए सदियों से जोर मार रहा है, पर सफल नहीं हो सका, मैं कहता हूँ उसका सारा अध्यात्म और योग एक तरफ और नारियों का त्याग एक तरफ"।

अथवा

स्वार्थ को इतनी छूट देना ठीक नहीं है, कि विवेक को ही खा जाये। अखबारों को तो आजाद रहना ही चाहिये। वे ही तो हमारे कामों का, हमारी बातों का असली दर्पण होते हैं। मेरा तो उसूल है कि दर्पण को धुंधला मत होने दो। हाँ, अपनी छवि देखने का साहस होना चाहिए आदमी में। बड़ी हिम्मत और बूता चाहिए उसके लिए। इससे जो कतराता है वह दूसरों को नहीं अपने को ही छलता है।

(ख) आधी रात जा चुकी थी, आकाश पर तारों के थाल सजे हुए थे और उन पर बैठे देवगण स्वर्गीय पदार्थ सजा रहे थे, परन्तु उनमें किसी को वह परमानंद प्राप्त न हो सकता था, जो बूढ़ी काकी को अपने सम्मुख थाल देखकर प्राप्त हुआ। रूपा ने कंठावद्ध स्वर में कहा – काकी उठो भोजन कर लो। मुझसे आज बड़ी भूल हुई, उसका बुरा न माना। परमात्मा से प्रार्थ कर दो कि वह मेरा अपराध क्षमा कर दें।

अथवा

अब घर का फलतू सामान अलमारियों के पीछे और पलंगों के नीचे छुपाया जाने लगा। तभी शामनाथ के सामने सहसा एक अड़चन खड़ी हो गई, माँ का क्या होगा ? इस बात को ओर न

उसका और नही उसकी कुशल ग्रहणी का ध्यान गया था। मिस्टर शामनाथ, श्रीमती की ओर घूमकर अंग्रेजी में बोले – "माँ का क्या होगा ?"

इकाई – 2

प्रश्न 2. कहानी के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिये ? 10

अथवा

उपन्यास के प्रमुख तत्वों की विवेचना कीजिये।

प्रश्न 3. "गोदान" उपन्यास की नायिका धनिया का चरित्र चित्रण कीजिये। 10

अथवा

उपन्यास के तत्वों के आधार पर "महाभोज" उपन्यास की समीक्षा कीजिये।

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 10

1. अमृतलाल नागर के पाँच उपन्यासों के नाम लिखिए।
2. राजेन्द्र यादव के उपन्यासें की भाषा – शैली पर टिप्पणी लिखिए।
3. मालती जोशी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
4. चित्रा मुद्‌गल के साहित्यिक योगदान की समीक्षा कीजिए।
5. फणीश्वरनाथ रेणू का परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।